राधा कमल मुकर्जी : चिन्तन परम्परा

वर्ष 5 अंक 2 **जुलाई-दिसम्बर 2003**

1. **मूल्य स्वतंत्रता का अर्थ : वेबर, मिर्डाल, लेनिन** - प्रोफेसर जसपाल सिंह, सेवानिवृत्त अध्यक्ष समाजशास्त्र गुरू नानक देव विश्विद्यालय, अमृतसर (पंजाब)
2. **उत्तरांचल के अल्मोड़ा जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में राजनीतिक सहभागिता** - डॉ. मीना पथनी, अध्यक्ष राजनीतिशास्त्र विभाग, कुमायूँ विश्वविद्यालय, एस.एल.जे. परिसर, अल्मोड़ा (उत्तराखण्ड)
3. **पेरियर ई. वी. रामास्वामी का सामाजिक-राजनीतिक चिन्तन** - डॉ. रामबहादुर वर्मा, रीडर एवं अध यक्ष राजनीतिशास्त्र विभाग, फिरोज गांधी कालेज, रायबरेली (उ.प्र.)
4. **राजनीतिक समाजीकरण के अभिकरण के रूप में परिवार** - डॉ. आर.के. सिंह, अध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग, डी.बी.एस. कालेज, कानपुर एवं डॉ. मंजू सिंह समाजशास्त्र विभाग, डी.जी. कालेज, कानपुर(उ.प्र.)
5. **ग्रामीण विकास कार्यक्रमों की वर्तमान स्थिति : जनपद रूद्रप्रयाग के संदर्भ में** - डॉ. अंजलि बहुगुणा, उपाचार्या अर्थशास्त्र विभाग, हे.न.ब. गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (उत्तराखण्ड) एवं डॉ. लक्ष्मण सिंह कठैत, शोध अध्येता अर्थशास्त्र विभाग, हे.न.ब. गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (उत्तराखण्ड)
6. **भारतीय समाज : परिवर्तन एवं चुनौतियां** - डॉ. सीताराम सिंह, अध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग, गनपत सहाय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सुल्तानपुर (उ.प्र.)
7. **अपराध एवं जन सहयोग** - डॉ. शिव कुमार उपाध्याय, रीडर एवं अध्यक्ष बी.एड. विभाग, गंजडुंडवारा पी. जी. कालेज, गंजडुंडवारा, एटा एवं विक्रांत उपाध्याय, शोध अध्येता, डी.एस. कालेज, अलीगढ़ (उ.प्र.)
8. **महिलाओं की राजनीतिक व सामाजिक जागरूकता** - डॉ. वीणा शुक्ला, सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र, शासकीय एम.एल.बी. उत्कृष्ठ महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.) एवं डॉ. रमेश उपाध्याय, सहायक प्राध्यापक वाणिज्य, शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)
9. **उत्तर प्रदेश में जनसंख्या नियंत्रण : नई नीति 2000 के संदर्भ में** - डॉ. सीमा चौधरी, प्रवक्ता राजनीति विज्ञान, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बागेश्वर (उत्तराखण्ड) एवं श्री नरेन्द्र सिंह शोध अध्येता वर्द्धमान कालेज, बिजनौर (उ.प्र.)
10. **समाज के विकास में पुस्तकालय का योगदान** - बी.डी. यादव, पुस्तकालय अध्यक्ष एवं अध्यक्ष पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, बरेली कालेज, बरेली (उ.प्र.)
11. **सामाजिक गतिशीलता और सामाजिक न्याय : पंचायतों की भूमिका** - डॉ. अनूप कुमार सिंह, प्रवक्ता समाजशास्त्र विभाग, डी.ए.बी. कालेज, कानपुर (उ.प्र.)
12. **अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय संदर्भ में महिलाओं के प्रति भेदभाव समाप्ति हेतु प्रयास** - डॉ. अचला सोनकर, प्रवक्ता इतिहास विभाग, डी.जी. कालेज, कानपुर (उ.प्र.) एवं डॉ. दीपाली सक्सेना, समाजशास्त्र विभाग, डी.जी. कालेज, कानपुर - (उ.प्र.)
13. **स्त्री-पुरूष समानता पर एकल अर्जक एवं द्विअर्जक दम्पतियों के विचार** - डॉ. रन्जू राठौर, गार्डन सिटी कालोनी, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली, (उ.प्र.)
14. **1857 से 1947 तक बरेली का सामाजिक स्वरूप** - डॉ. अनीता शर्मा, अंशकालिक प्रवक्ता इतिहास विभाग, बरेली कालेज, बरेली (उ.प्र.)
15. **बाल श्रम उन्मूलन दशा और दिशा** - डॉ. सविता वशिष्ठ, अंशकालिक प्रवक्ता समाजशास्त्र विभाग, बरेली कालेज, बरेली (उ.प्र.)
16. **वैदिक काल में नारी शिक्षा** - डॉ. कमलेश दुबे, प्रवक्ता प्राचीन इतिहास विभाग, अग्रसेन कन्या स्वायत्तशासी पी.जी. कालेज, वाराणसी (उ.प्र.)

17. **पंचायत में निर्वाचित महिलाओं की समाजार्थिक एवं राजनीतिक पृष्ठभूमि** - वीरेन्द्र सिंह, शोध अध्येता, समाजशास्त्र, जे.एल. पी.जी. कालेज, बांदा (उ.प्र.)
18. **कुछबंधियां : एक अधिसूचित जनजाति का समाजशास्त्रीय विश्लेषण** - राजेश कुमार पाल, शोध अध्येता, जे.एल. पी.जी. कालेज, बांदा (उ.प्र.)
19. **पुस्तक समीक्षा 'बुमैन इन नोबल प्रोफेशन्स'** लेखिका डॉ. स्वर्ण सकूजा - समीक्षक - डॉ. श्यामधर सिंह, प्रोफेसर समाजशास्त्र विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी (उ.प्र.)